“चन्द्र गहना से लौटती बेर (कवि- केदारनाथ अग्रवाल)
शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
• चंद्रगहना	• गाँव का नाम
• बीते के बराबर	• छोटा सा
• ठिगना	• छोटा, नाटा
• मुरैठा	• पगड़ी
• अलसी	• एक तिलहन का पौधा
• हठीली	• जिद्दी
• सयानी	• समझदार या चतुर
• हाथ पीले होना	• विवाह होना
• फाग	• होली के मौसम में गाया जाने वाला लोक गीत
• अनुराग	• स्नेह , प्रेम
• अंचल	• आँचल
• विजन	• निर्जन
• पोखर	• छोटा तालाब
• लहरियाँ	• पानी में उठने वाली छोटी छोटी लहरें -
• नील तल	• नीले रंग की सतह
• चाँदी का गोल खम्भा	• पानी में चंद्रमा की परछाई या प्रतिबिम्ब
• चकमगाता	• चकाचोंध पैदा करता
• श्वेत	• सफ़ेद, उजला
• चटुल	• चतुर, चालाक
• गगन	• आकाश, आसमान
• मीन	• मछली
• ध्याननिद्रा	• ध्यान रूपी निद्रा, ध्यान में डूबा हुआ
• चट	• तुरंत
• झपाटे मारना	• झपटना